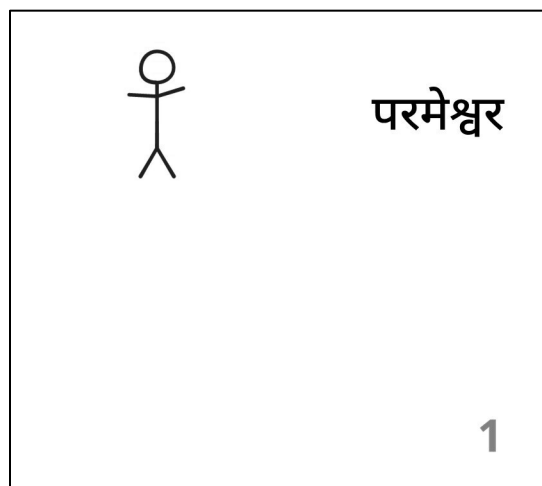


रेखा-चित्र के हर भाग के दौरान क्या कहना चाहिए

भाग - 1

“परमेश्वर ने हर मनुष्य को उसके साथ संगति में रहने और एक आशीष भरा जीवन जीने के लिए सृजा है। समस्याओं और पीड़ाओं से भरा जीवन उसने नहीं रचाया है।”

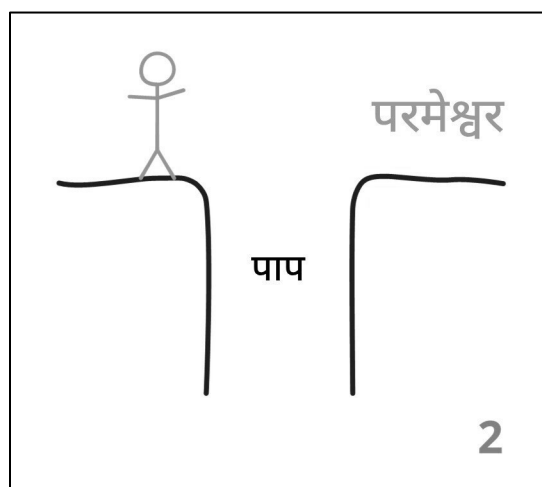
[“परमेश्वर” शब्द लिखें और किसी व्यक्ति का चित्र बनाएं।]



भाग - 2

“मनुष्य पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो गया है। सृष्टि के प्रथम लोगों ने पाप किया, और तब से हर व्यक्ति ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।”

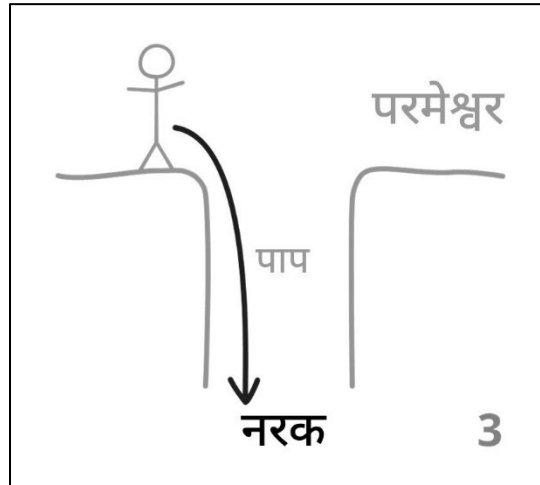
[अलग होने का चित्र बनाये और “पाप” शब्द को लिखें।]



भाग - 3

“प्रभु धार्मिकता से न्याय करने वाला है, और पापियों को एक दिन नरक में अनन्त काल के लिए दंडित किया जायेगा जब तक कि वे दया नहीं पाते हैं और परमेश्वर के साथ रिश्ते में वापस नहीं आते हैं।”

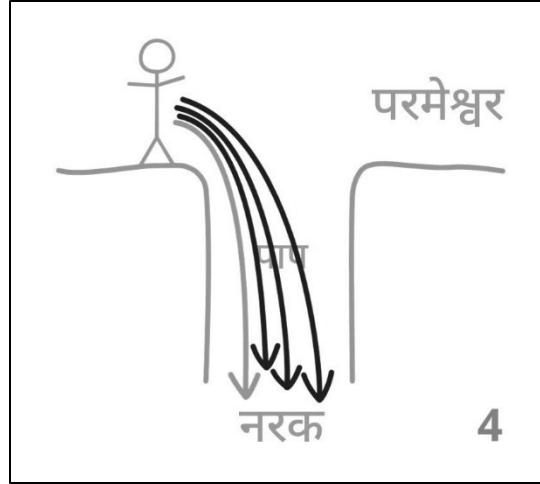
[तीर और नरक शब्द का चित्र बनाए]



भाग - 4

“परमेश्वर के पास वापस जाने के लिए और दया हांसिल करने के लिए हम कुछ भी नहीं कर सकते हैं - अच्छे काम, कलिसिया में जाना, धार्मिक रीति-रिवाज, ना ही पैसे देना”

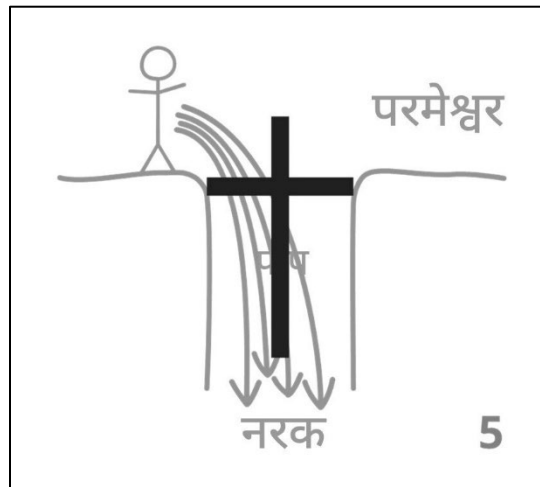
[सूची में प्रत्येक अंश के साथ तीर खींचे]



भाग - 5

“यदि परमेश्वर ने हमारे लिए उसके पास वापस आने का मार्ग तैयार नहीं किया होता तो हमारी स्थिति निराशाजनक होती। परमेश्वर का पुत्र यीशु क्रूस पर बलिदान हुआ ताकि हम माफ किये जाए। तीन दिनों के बाद, वह मृतकों में से जी उठा।”

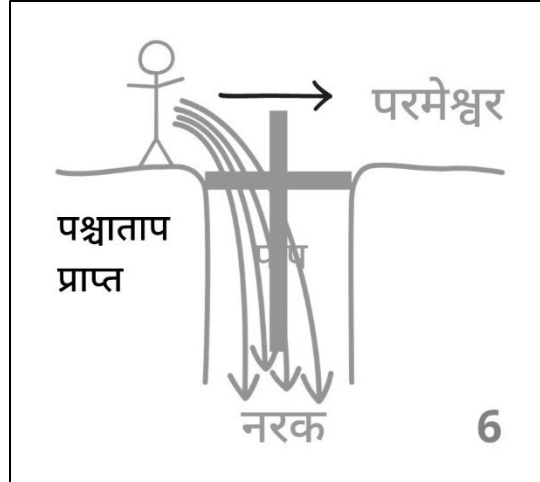
[क्रूस बनाएं]



भाग - 6

“लेकिन सिर्फ यह जान लेना इतना काफी नहीं है। बचाए जाने और परमेश्वर के पास वापस आने के लिए हर व्यक्ति को व्यक्तिगत चुनाव करना पड़ेगा। व्यक्ति को पश्चाताप करना ही होगा, जिसका अर्थ है कि पाप के लिए पर्याप्त खेद व्यक्त करना और पाप छोड़ देने के लिए तैयार रहना। एक व्यक्ति जो पश्चाताप करता है वह प्रार्थना में परमेश्वर से मांग कर क्षमा प्राप्त कर सकता है”।

[तीर को बनाए, पश्चाताप और प्राप्त शब्दों को लिखें]



भाग - 7

“आपके ख्याल से आप इस चित्र में कहाँ हैं? क्या आपके जीवन में कोई विशेष समय आया जब आपने अपने पापों का पश्चाताप किया, परमेश्वर की क्षमा प्राप्त की, और परमेश्वर के लिए जीना शुरू कर दिया; या, क्या आप अभी भी पाप के कारण परमेश्वर से अलग हैं?”

[उत्तर के लिए रुके। कई व्यक्ति यह स्वीकार करेंगे कि वे अभी भी परमेश्वर से अलग हैं।]

“क्या आप यह कदम उठाने के लिए तैयार हैं? पश्चाताप करना, क्षमा प्राप्त करना, और परमेश्वर के लिए जीना शुरू करें? मुझे आपके साथ अभी प्रार्थना करने में खुशी होगी”।

[निम्नलिखित के लिए कुछ इसी तरह प्रार्थना करें।]

“हे प्रभु, मैं जानता हूँ कि मैं एक पापी हूँ और अनन्त दण्ड के योग्य हूँ। मैं अपने पापों के लिए क्षमा चाहता हूँ और उन्हें छोड़ने को तैयार हूँ। मैं क्षमा के लिए आपसे याचना करता हूँ, इसलिए नहीं की मैं इसके योग्य हूँ, बल्कि इसलिए कि यीशु मेरे लिए मरा। उद्धार के लिए धन्यवाद। अब से, मैं आपके लिए जीऊंगा।”

स्पष्टीकरण

भाग - 1

प्रस्तुति की शुरुआत सुनने वालों पर लागू करने के लिए अनुकूलित की जा सकती हैं। “समस्याओं और पीड़ाओं से भरे जीवन” के बावजूद, सुसमाचार प्रचारक कुछ और विशिष्ट का उल्लेख कर सकता है जो सुनने वाले के अनुभव से संबंधित हैं।

भाग - 2

सुनने वाले के लिए यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि वह व्यक्तिगत रूप से पाप का दोषी है और परमेश्वर से अलग हो गया है। वह बस उस स्थिति में नहीं है जो आदम के पाप के परिणामस्वरूप हुआ था।

भाग - 3

यह पापी की स्थिति का सबसे गंभीर पहलू दिखाता है।

भाग - 4

इस भाग का उद्देश्य सुनने वाले को यह दिखाना है कि उसे उद्धार के लिए गलत चीजों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। इस भाग को सुनने वालों की जरूरतों के अनुकूल बनाया जा सकता है। सुसमाचार प्रचारक को उन चीजों को नाम देने की कोशिश करनी चाहिए जिन पर सुनने वाले को भरोसा होने की संभावना है।

भाग - 5

प्रायश्चित की व्याख्या करने का सबसे सरल तरीका यह है कि “यीशु एक बलिदान के रूप में क्रूस पर मर गए ताकि हमें क्षमा किया जा सके।” इस भाग का उद्देश्य सुनने वाले को यह एहसास कराने में मदद करता है कि उसे परमेश्वर द्वारा प्रदान किये गए उद्धार पर निर्भर होना चाहिए।

भाग - 6

सुसमाचार प्रचारक सुसमाचार सुनने वाले को निर्णय लेने के क्षण पर लाने की कोशिश करता है। सुनने वाले को यह महसूस करने की आवश्यकता है कि उसे एक व्यक्तिगत चुनाव करना होगा। उसे पश्चाताप के लिए सही परिभाषा जानने की जरूरत है, ताकि वह जाने कि पश्चाताप अफसोस और मुझे खेद है कहने से अधिक है। उसे यह जानने की जरूरत है कि उसे परमेश्वर से क्षमा मांगने की याचना करनी है।

भाग - 7

इस बिंदु पर आकर, प्रचारक सुनने वाले को यह समझाने की कोशिश करता है कि उसे उद्धार की आवश्यकता है। प्रस्तुति को, उद्धार ना पाए हुए व्यक्ति को यह एहसास कराने में मदद करने के लिए रूपांकित किया गया है कि उसने उद्धार नहीं पाया है। प्रश्न को ध्यान से अभिव्यक्त किया गया है। कई लोग यह सोचते हैं उन्हें रोज क्षमा मांगनी चाहिए क्योंकि वे पाप में रहना जारी रखते हैं। प्रश्न उस एक विशेष समय के बारे में पूछता है जब व्यक्ति को बचाया जाता है और एक नया जीवन शुरू होता है। उसे यह महसूस करने की आवश्यकता है कि यदि उसने परिवर्तन का अनुभव नहीं किया है, तो वह अभी भी अपने पाप के द्वारा परमेश्वर से अलग है। फिर, सुसमाचार प्रचारक उसके साथ उद्धार के लिए प्रार्थना करने की पेशकश करता है।

यदि सुनने वाला उसकी आवश्यकता को नहीं समझता है या पश्चाताप करने के लिए तैयार नहीं है, तो प्रचारक को उसे प्रार्थना करने के लिए दबाव नहीं देना चाहिए। यदि वह वास्तव में पश्चाताप और परिवर्तन का अनुभव किए बिना प्रार्थना करता है तो उसे उद्धार का झूठा आश्वासन हो सकता है या यह विश्वास हो सकता है कि उसके लिए उद्धार नहीं है। इस कारण, बाद में उसके बचने की संभावना कम हो सकती है।

रेखा-चित्र को जल्दी से प्रस्तुत किया जा सकता है। यदि आपके पास सुसमाचार बांटने का अवसर है तो आप बस पूछ सकते हैं, “क्या मैं आपको एक चित्र दिखाने के लिए दो मिनट का समय ले सकता हूँ, जो यह दर्शाता है कि बाइबल क्या कहती है कि निश्चित रूप से यही रास्ता है जानने का कि आप बच गए हैं?” इससे व्यक्ति को पता चल जाता है कि आप उसका ज्यादा समय नहीं लेने वाले हैं। यदि वह रुचि लेता है और इसके बारे में बात करना चाहता है तो आप और अधिक समय ले सकते हैं।

आमतौर पर लोग चित्र में रुचि लेते हैं। और अक्सर सुसमाचार प्रचारक के निपट जाने के बाद व्यक्ति चित्र रखने की मांग करता है।